भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 2822
गुरुवार, 12 दिसंबर, 2024/21 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

उड़ान योजना के अंतर्गत लाभार्थी

2822. श्री अनुराग शर्मा:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना और क्षेत्रीय विमानपत्तन विकास कार्यक्रमों जैसी पहलों के माध्यम से विमानन क्षेत्र में लाभार्थि यों और सृजित रोजगार अवसरों की राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार संख्या कितनी है; और

(ख) विमानन क्षेत्र में क्षेत्रीय संपर्क और रोजगार सृजन के विस्तार के लिए उत्तर प्रदेश में अब तक क्या विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं और क्या उपलब्धियां हासिल की गई हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): 'उड़ान' योजना के अंतर्गत अब तक 1.46 करोड़ से अधिक यात्रियों ने उड़ानों से यात्रा की है।

हवाईअड्डे आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में उभरे हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था पर इनका गुणक प्रभाव होता है। नागर विमानन क्षेत्र और आर्थिक विकास के बीच संबंध सर्वविदित है। अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) के एक अध्ययन से पता चलता है कि हवाई संपर्क का आर्थिक गुणक 3.25 और रोजगार गुणक 6.1 है। इसके अतिरिक्त, देश में हवाईअड्डों के विकास से क्षेत्रीय संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि होने, आर्थिक विकास और पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश राज्य में उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान) योजना के तहत अब तक 18 हवाईअड्डों अर्थात आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, प्रयागराज, बरेली, कानपुर, चित्रकूट, गाज़ीपुर, झाँसी, मुरादाबाद, कुशीनगर, मेरठ, मुइरपुर, आज़मगढ़, श्रावस्ती, सहारनपुर, फुर्सतगंज और हिंडन की पहचान की गई है।

इनमें से आगरा, अयोध्या, प्रयागराज, बरेली, कानपुर, हिंडन, कुशीनगर, अलीगढ़, आज़मगढ़, श्रावस्ती, मुरादाबाद और चित्रकूट को कार्यशील कर दिया गया है।

*****